हमरो प्रणाम ...

श्री बाँके बिहारी को हमरो प्रणाम ।।

मोर मुकुट माथे तिलक बिराजे
कुण्डल अलका कारी को,
हमरो प्रणाम ... ।।1।।

अधर मधुर धर मुरली बजावे
रीझें रिझावें राधा प्यारी को,
हमरो प्रणाम ... ।।2।।

यह छबि देख मगन भई मीरां
मोहन गिरिवरधारी को,
हमरो प्रणाम ... ।।3।।

http://www.govindbhargav.in